खबर संक्षेप

वॉश ऑन व्हील के क्रियान्वयन में शहडोल जिला अग्राणी

शहडोल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपाली रस्तोगी द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापित को शहडोल जिले में वॉश ऑन व्हील के नवाचार का प्रभावी संचालन एवं उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया। गौरतलब है कि कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति के निर्देशानुसार शहडोल जिले में वॉश ऑल व्हील का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया। जिला समन्वयक स्वच्छता मिशन दिनेश मिश्रा ने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू एवं संस्थागत शौचालयों की साफ-सफाई हेतु ऑनलाइन मांग एवं सेवा सुविधा आधारित स्वच्छता साथी एवं वॉश ऑन व्हील कार्यक्रम प्रारंभ किया गया जिसमें अभी तक लोगो द्वारा 2737 बुकिंग की गई एवं 252878 रूपये की आय प्राप्त हुई।

विश्वविद्यालय में तनाव मुक्ति का महामंच

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में ज्ञान और कौशल के नए युग का सूत्रपात हुआ है। पीएम उषा स्कीम के तहत आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का जोरदार आगाज हुआ, जिसका केंद्र स्ट्रेस मैनेजमेंट, कॉनफ्लिक्ट हैंडलिंग और टीम बिल्डिंग जैसे ज्वलंत विषय हैं। कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने अपने धारदार संबोधन में आधुनिक मानसिक चुनौतियों का समाधान वैदिक परंपरा में खोजा। उन्होंने दो-टूक कहा कि आज के भागदौड़ भरे शैक्षणिक माहौल में तनाव को मात देने के लिए प्राणायाम, योग और ध्यान ही एकमात्र रामबाण हैं। कुलगुरु ने प्राचीन मनीषियों के मार्ग पर चलने का आह्वान करते हुए प्राध्यापकों को मानसिक रूप से सशक्त बनने का मंत्र दिया। कार्यक्रम में प्रो. प्रवीण शर्मा, प्रो. अमित निगम और पीएम उषा प्रभारी डॉ. रचना दुबे की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को नई ऊंचाई दी।

मालाचुआ में क्रिकेट का महाकुंभ, 32 पंचायतों के बीच मचेगा घमासान

उमरिया। खेल के मैदान से ही अनुशासन और जीत का जज्बा पैदा होता है। इसी बुलंद इरादे के साथ विकासखंड पाली के मालाचुआ में ग्राम पंचायत मालाचुआ और जेएसडब्ल्यू सीमेंट के साझा सहयोग से पंचायत स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शंखनाद हो गया है। इस टूर्नामेंट की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें उमरिया जिले की करीब 32 ग्राम पंचायतों की टीमें अपना दमखम दिखाने उतरी हैं।

मालाचुआ और शाहपुर के बीच कांटे की टक्कर- टूर्नामेंट का आगाज जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रमुख संतोष राजपूत, सरपंच मोहन बैगा और आयोजन समिति के अध्यक्ष दलबीर सिंह ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन मुकाबला मालाचुआ और शाहपुर के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों का जोश सातवें आसमान पर नजर आया।

कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाईः पशु तस्करी में एक आरोपी गिरफ्तार, 23 भैंस पड़े और ट्रक जब्त

मुखबिर की सूचना पर इमलई पहाड़ी में दबिश, पशुओं को कांजी हाउस भेजा गया

डिंडोरी। जिले में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने पशु तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 23 नग भैंस पड़े एवं एक ट्रक जब्त किया है।पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को जुआ, सट्टा, अवैध शराब और पशु तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में कोतवाली थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक लाल रंग के डालाबाड़ी वाहन में भैंस पड़े भरकर बुचड़खाने ले जाए जा रहे हैं।

सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ग्राम इमलई पहाड़ी पहुंची, जहां एमपी 20 एक्सबी 5439 क्रमांक का वाहन खड़ा मिला। पुलिस को देख मौके पर मौजूद कुछ लोग फरार हो गए, हालांकि पुलिस ने पीछा कर एक व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सहबाज कुरैशी (26 वर्ष), निवासी शास्त्री वार्ड, शेल्टर हाउस रोड, टक्कर ग्राम, जबलपुर बताया। आरोपी ने अपने अन्य साथियों के नाम रिजवान खान और खलासी राजा बताए हैं, जिनकी तलाश जारी है।पुलिस द्वारा पशुओं के परिवहन से संबंधित दस्तावेज मांगे जाने पर कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके बाद वाहन एवं 23 भैंस पड़े जब्त कर थाना कोतवाली लाया गया। वैधानिक कार्रवाई के उपरांत पशुओं को कांजी हाउस डिंडोरी भेज दिया गया तथा पशु चिकित्सक को परीक्षण हेतु सूचना प्रेषित की गई है।आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश कृषि पशु संरक्षण अधिनियम, 1959 की धारा 4 एवं 6(क) तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11(1)(घ) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।इस पूरी कार्रवाई में थाना कोतवाली प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे, उपनिरीक्षक भिपेंद्र पाठक सहित पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका रही। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

नगर परिषद शाहपुरा बना कैशलेस निकाय, अब सभी टैक्स का भुगतान ऑनलाइन

POS मशीन और QR कोड से डिजिटल भुगतान की सुविधा, पारदर्शिता और सुविधा बढ़ेगी

शहपुरा

शहपुरा नगर परिषद ने नागरिक सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए परिषद को पूर्णतः कैशलेस निकाय बना दिया है। अब नगर परिषद क्षेत्र के नागरिक अपने सभी प्रकार के करों का भुगतान डिजिटल माध्यम से आसानी से कर सकेंगे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी रीना राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि परिषद कार्यालय में नागरिकों की सुविधा के लिए पीओएस (POS) मशीनें स्थापित की गई हैं। इन मशीनों के माध्यम से अब लोग एटीएम/डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड तथा QR कोड स्कैन कर डिजिटल भुगतान कर सकते हैं। इससे नागरिकों को नकद राशि लेकर आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने बताया कि यह पहल डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ-साथ राजस्व वसूली प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और सरल बनाने के उद्देश्य से की गई है। नगर परिषद द्वारा संपत्ति कर (Property Tax) सहित अन्य देयकों का भुगतान अब आधिकारिक ई-नगरपालिका पोर्टल के माध्यम से भी ऑनलाइन किया जा सकता है। नगर परिषद का मानना है कि इस व्यवस्था से न केवल नागरिकों का समय बचेगा, बल्कि भ्रष्टाचार और नकदी लेनदेन से जुड़ी समस्याओं में भी कमी आएगी। परिषद ने नागरिकों से अधिक से अधिक डिजिटल भुगतान अपनाने की अपील की है। इस दौरान शहपुरा नगर परिषद सीएमओ रीना राठौर, उपयंत्री रितिका मेरावी,नगर अध्यक्ष शालिनी अरुण अग्रवाल, उपाध्यक्ष मुकेश साहू पार्षद भजनलाल चक्रवर्ती, देवेंद्र साहू सहित नगर परिषद के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मां नर्मदा पुराण ज्ञान यज्ञ के आठवें दिन उमड़ा आस्था का सैलाब

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत देवरी माल में आयोजित नौ-दिवसीय मां नर्मदा पुराण ज्ञान यज्ञ के आठवें दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सेवा निवृत्त शिक्षक लखन सिंह ठाकुर एवं उनकी धर्म पत्नी वृंदा देवी ठाकुर सहित ठाकुर परिवार द्वारा आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र सहित आस पास गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ उठा रहे हैं। कथा वाचन शारदा शक्तिपीठ मैहर से पधारे विद्वान पंडित बृजेश पांडे द्वारा किया जा रहा हैं। मां नर्मदा पुराण ज्ञान यज्ञ कथा के आठवें दिन कथावाचक ने मित्रता और विश्वास पर आधारित प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए विश्वासघात को सबसे बड़ा पाप बताया। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में अनेक पापों का प्रायश्चित बताया गया हैं, लेकिन विश्वासघात का कोई प्रायश्चित नहीं हैं।

कथा के माध्यम से नर्मदा पुराण की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया गया कि श्रद्धा भाव से नर्मदा चरित्र का श्रवण करने से मनुष्य के पाप नष्ट होते हैं और शिवलोक की प्राप्ति होती हैं। कथा के दौरान ज्वाला प्रसाद चंदेल (केवलारी) ने ध्वनि वादन, धनेश्वर नंदा (हृदयनगर) ने ढोलक तथा मूलचंद भवरे (रामनगर चिखली) ने पैड वादन से भक्तिमय वातावरण बनाया। शाम 6 बजे आरती के साथ प्रवचन का समापन हुआ। नौवें दिन हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे के साथ आज सोमवार को नवमी के अवसर पर हवन-पूजन के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया हैं। आयोजक परिवार द्वारा क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं एवं श्रोतागणों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर हवन-पूजन में सहभागी बनने तथा भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ लेने की अपील की गई हैं। आयोजन समिति ने बताया कि कार्यक्रम पूर्णतः श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न कराया जा रहा हैं।

सूचना बोर्ड नदारद, गुणवत्ता मानकों की अनदेखी का आरोप

पिपरिया में सीसी रोड निर्माण पर भ्रष्टाचार के आरोप, ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई

मेहदवानी।

जनपद पंचायत मेहदवानी अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया के पोषक ग्राम सिलठार, वार्ड क्रमांक 10 में प्रगति पर चल रहे सीसी रोड निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता दोनों की अनदेखी की जा रही है, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका गहरा गई है।ग्रामीणों के अनुसार निर्माण स्थल पर अनिवार्य रूप से लगाया जाने वाला सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है। इस बोर्ड में कार्य की स्वीकृत राशि, योजना का नाम, निर्माण अवधि और अन्य आवश्यक विवरण अंकित होना चाहिए, किंतु इनके अभाव में कार्य की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लग गया है।ग्रामीणों का आरोप है कि सीसी रोड निर्माण में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। आवश्यक बेस तैयार किए बिना ही सीधे कंक्रीट डाल दिया गया, जो तकनीकी मानकों के विपरीत है। साथ ही निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए गए हैं। लोगों का कहना है कि इस प्रकार का कार्य लंबे समय तक टिकाऊ नहीं रहेगा और सड़क जल्द ही क्षतिग्रस्त हो सकती है गांववासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते मामले की जांच नहीं कराई गई तो एक ओर जहां सरकारी राशि का दुरुपयोग होगा, वहीं दूसरी ओर विकास कार्यों की विश्वसनीयता भी प्रभावित होगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने पर संबंधित जनप्रतिनिधियों व जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।ग्रामीणों ने यह भी कहा कि शासन की योजनाओं के अंतर्गत होने वाले विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों को वास्तविक और स्थायी विकास का लाभ मिल सके।

ब्लॉक स्तरीय दो-दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

अमरपुर। मेरा युवा भारत जिला डिंडौरी जिला युवा अधिकारी आदित्य सिंह एवं लेखा एवं कार्यक्रम सहायक रघुनंदन झारिया के निर्देशानुसार वॉलीबॉल, 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, महिला खो-खो, गोला फेंक आदि दो-दिवसीय खेल प्रतियोगिता का ब्लॉक स्तरीय आयोजन जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत भाखा मॉल में किया गया था। जहां पर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 6 टीमों ने भाग लिया। जिसमें वॉलीबॉल प्रतियोगिता फाइनल मुकाबला भाखा ए और भाखा डी के मध्य खेला गया। जिसमें वॉलीबॉल प्रथम विजेता भाखा ए व द्वितीय विजेता भाखा डी एवं तृतीय स्थान पर बिजौरी टीम रही। वहीं पर खो खो प्रतियोगिता महिला वर्ग में प्रथम विजेता भाखा, द्वितीय टिकरा टोला एवं तृतीय भाखा मॉल रहे। गोला फेंक पुरुष वर्ग में ईश्वर मरावी प्रथम विजेता, गोला फेंक महिला वर्ग में हेमलता उद्दे प्रथम विजेता बनी। इन सभी खेलों के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी खिलाड़ियों को शील्ड, मैडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजित खेल प्रतियोगिता के अंत में सेवा निवृत्त शिक्षक एस. एस. मरावी के द्वारा प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई दी गई एवं पूर्व एन. वाई. व्ही. मनीष गायकवाड़ के द्वारा युवाओं को प्रेरित किया गया कि खेल के कुछ नियम होते हैं, ठीक उसी प्रकार युवाओं के जीवन में भी यदि नियम के साथ पूरी ताकत और मेहनत से पसीना बहाते हुए काम करें तो युवाओं को मंजिल अवश्य मिलेगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से स्थानीय ग्राम पंचायत सरपंच देवेंद्र सांडया, विशिष्ट अतिथि मुकद्दम नवल सिंह धुर्वे, अमरपुर महाविद्यालय से जयदीप दुबे, आदर्श क्लब के अध्यक्ष चंद्र सिंह उद्दे, ग्राम पंचायत सचिव सेवा सिंह राजपूत, ग्राम रोजगार सहायक हेमंत ठाकुर, मूलचंद बनवासी, खुमान ठाकुर, देवेंद्र परस्ते, प्रतिभागी खिलाड़ियों सहित भारी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मेंहदवानी क्षेत्र में अवैध मुरूम उत्खनन बेखौफ जारी, जेसीबी से खुदाई और डंपर-ट्रैक्टरों से खुलेआम परिवहन

सूचना के बावजूद कार्रवाई शून्य, अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

मेंहदवानी। डिंडोरी जिले के मेंहदवानी विकासखंड अंतर्गत ग्राम मेंहदवानी, सुड़गांव, पारापानी और कठौतिया में इन दिनों अवैध मुरूम उत्खनन का खेल बेखौफ जारी है। क्षेत्र में जेसीबी मशीनों से बड़े पैमाने पर खुदाई की जा रही है, वहीं डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से मुरूम का खुलेआम परिवहन किया जा रहा है।ग्रामीणों के अनुसार यह गतिविधि पिछले कई दिनों से लगातार चल रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभागों को इसकी सूचना दिए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।बताया जा रहा है कि दिन-रात चल रही मशीनों की आवाज और भारी वाहनों की आवाजाही से क्षेत्रीय सड़कों की हालत खराब हो रही है। साथ ही अनियंत्रित उत्खनन से पर्यावरणीय संतुलन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि अधिकारियों को जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। क्या यह प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है या फिर अवैध खनन को किसी प्रभावशाली संरक्षण का लाभ मिल रहा है?स्थानीय नागरिकों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि क्षेत्र में अवैध खनन पर रोक लगाई जा सके और पर्यावरण व सार्वजनिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

ग्राम चौरा रैयत में सार्वजनिक सप्ताहिक अखंड राम कीर्तन का हवन विसर्जन विशाल भंडारा

हरिभूमि न्यूज अमरपुर

जनवरी एवं फरवरी महीने में विशेष कर डिंडौरी जिले के राठौर समाज के गांवों में 24 घंटे का राम कीर्तन, महापुराण, भागवत कथा इत्यादि धार्मिक यज्ञ समय - समय पर चलते रहते हैं। राठौर समाज के द्वारा गांव - गांव में सार्वजनिक सप्ताहिक अखंड रामकीर्तन किया जा रहा हैं। और सार्वजनिक सप्ताहिक अखंड रामकीर्तन का गांव - गांव राम कीर्तन मंडलियों को आमंत्रित किया जाता हैं। आमंत्रित मंडली यज्ञ में पहुंच कर अपने अपने पारी में राम कीर्तन की मनमोहक प्रस्तुति दिया जाता हैं। इसी प्रकार से लगातार सातवें दिन रात राम कीर्तन गूंजता हैं। राम कीर्तन में कलश यात्रा, 'हरे राम हरे कृष्ण' का कीर्तन, आकर्षक झांकियां और अंतिम दिन विशाल भंडारे का आयोजन प्रमुख हैं। जोकि ग्रामीण एकता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसा ही जिले के ब्लाक अमरपुर के ग्राम चौरा रैयत ठाकुर टोला धर्मशाला मैदान में सार्वजनिक सप्ताहिक अखंड रामकीर्तन का आयोजन समस्त राजपूत राठौर समाज ग्राम चौरा रैयत के द्वारा विगत दिनों शुभारंभ किया गया था। जिसका रविवार 22 फरवरी को समापन पूर्णाहुति के बाद प्रसाद वितरण और भंडारा किया गया एक सप्ताह से गांव में भक्ति मय माहौल बना रहा वातावरणः कीर्तन मंडलियों द्वारा भजन-कीर्तन से वातावरण आध्यात्मिक और भक्तिमय बना रहा। इन आयोजनों में ग्रामीणों का बढ़-चढ़कर सहयोग और श्रद्धा देखने को मिला जोकि आस्था के साथ-साथ आपसी भाईचारे का संदेश दे रहे हैं।

नवाचार से सजी प्रार्थना सभाः विद्यार्थियों ने मंच से प्रस्तुत किया

डिंडोरी। जिले के संदीपनि विद्यालय नरिया में आयोजित प्रार्थना सभा इन दिनों एक अभिनव पहल के कारण चर्चा में है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रार्थना सभा को अधिक प्रभावी, सहभागी और उद्देश्यपूर्ण बनाने के लिए विद्यार्थियों को ही मंच संचालन और दैनिक गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।इस पहल के अंतर्गत चयनित छात्र प्रतिदिन मंच पर आकर पिछले दिवस की समस्त गतिविधियों—विद्यालय प्रारंभ से अवकाश तक—का क्रमबद्ध विवरण प्रस्तुत करते हैं। इसमें शैक्षणिक कार्य, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां, खेलकूद, विशेष आयोजन तथा महत्वपूर्ण घोषणाएं शामिल रहती हैं।विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस नवाचार का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल, आत्मविश्वास और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। हाउसवार चयनित छात्रों को मंच प्रदान किए जाने से उनमें सार्वजनिक प्रस्तुति का अनुभव भी विकसित हो रहा है।शिक्षकों का कहना है कि इस पहल से विद्यार्थियों के संवाद कौशल में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। साथ ही वे विद्यालयीन अनुशासन और दैनिक गतिविधियों के प्रति अधिक सजग और जिम्मेदार बन रहे हैं।अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी विद्यालय की इस पहल की सराहना की है और इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी प्रयोग बताया है।इस नवाचारी प्रयास के साथ संदीपनि विद्यालय नरिया की प्रार्थना सभा अब केवल औपचारिक आयोजन न रहकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त मंच बनती जा रही है।

महज 4.50 लाख रुपये में वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान

महिला सरपंच के नेतृत्व में जनभागीदारी की मिसालः एक किलोमीटर खड़ी घाटी पार कर गांव तक पहुंचा नर्मदा जल

डिंडौरी। जनपद पंचायत मेंहदवानी अंतर्गत ग्राम पंचायत सारंगपुर ने जनभागीदारी से विकास की एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी पूरे क्षेत्र में चर्चा हो रही है। महिला सरपंच कमलवती परस्ते के नेतृत्व और ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से गांव के पोषक ग्राम कनेरी रैयत उर्फ मुरमी टोला तक नर्मदा नदी का पानी पहुंचाया गया है। पिछले एक वर्ष से अधिक समय से ग्रामीणों को सुबह-शाम नियमित रूप से पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे गांव में खुशी का माहौल है।गौरतलब है कि कनेरी रैयत में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ था। ग्रामीणों को पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ता था। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा कई स्थानों पर नलकूप खनन कराए गए, लेकिन पर्याप्त जल उपलब्ध नहीं हो सका। ऐसे में समस्या का स्थायी समाधान तलाशना चुनौती बन गया था।

पंचायत और ग्रामीणों ने मिलकर बदली तस्वीर

11 जून 2024 को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के निर्देशानुसार 15वें वित्त आयोग की राशि से ग्राम पंचायत ने लगभग 4 लाख 50 हजार रुपये की लागत से तीन पानी टंकियों का निर्माण कराया। साथ ही पाइपलाइन, मोटर पंप और आवश्यक विद्युत सामग्री की व्यवस्था की गई, किंतु संसाधनों की कमी के कारण कार्य अधूरा रह गया था।इस बीच ग्रामीणों ने पहल करते हुए चंदा एकत्र किया और ट्रांसफार्मर की स्थापना कराई। इसके बाद महिला सरपंच के मार्गदर्शन में ग्रामीणों ने श्रमदान कर नर्मदा नदी से गांव तक लगभग एक किलोमीटर लंबी खड़ी घाटी में पाइपलाइन बिछाने का कठिन कार्य पूरा किया। सामूहिक श्रम और दृढ़ संकल्प का परिणाम रहा कि अंततः गांव तक नर्मदा का पानी पहुंच सका।गांव की रानी दुर्गावती स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। पानी की आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए समूह ने अतिरिक्त मोटर पंप की व्यवस्था की, ताकि एक मोटर खराब होने की स्थिति में तत्काल दूसरी मोटर संचालित की जा सके।जहां कई स्थानों पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद पेयजल योजनाएं अधूरी रह जाती हैं, वहीं सारंगपुर में महज 4.50 लाख रुपये की लागत और जनसहयोग से स्थायी समाधान संभव हुआ। यह पहल अब क्षेत्र में जनभागीदारी आधारित विकास मॉडल के रूप में देखी जा रही है।इस अनुकरणीय कार्य को देखने और समझने के लिए जनपद पंचायत के अधिकारी, सीईओ, एसडीओ सहित आसपास की कई ग्राम पंचायतों के सरपंच गांव पहुंच रहे हैं। महिला नेतृत्व और ग्रामीण एकजुटता की यह कहानी पूरे जिले के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई है।

विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने डिंडोरी और मेहंदवानी जनपद में विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

डिंडोरी। ओमप्रकाश धुर्वे ने जनपद पंचायत डिंडोरी एवं शाहपुरा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।जनपद पंचायत डिंडोरी अंतर्गत ग्राम नूनखान में 10 लाख रुपये की लागत से गनपत के घर से बुद्धू के घर तक बनने वाली सीसी रोड तथा 10 लाख रुपये की लागत से पंचायत भवन से टिकरी टोला तक प्रस्तावित सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत मेर में पुलिया निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया।इसी क्रम में जनपद पंचायत मेहंदवानी अंतर्गत ग्राम पंचायत मनेरी के पोषक ग्राम हथडोल में 10 लाख रुपये लागत के सीसी रोड निर्माण कार्य तथा ग्राम पंचायत भानपुर के पोषक ग्राम टिकरा बांधा में रंगमंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत कन्या पूजन एवं मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण के साथ की गई। इस दौरान विधायक धुर्वे ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अधोसंरचना कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।कार्यक्रम के दौरान शासन की विभिन्न योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों की समस्याएं भी सुनी गईं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।इस अवसर पर बद्री प्रसाद साहू, सुशील राय, अंकित गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि, विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। उपस्थित जनसमूह ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन के प्रति आभार प्रकट किया।

नपा-राजस्व की लापरवाही से बेखौफ अतिक्रमण गौठान भूमि पर झोपड़ी से पक्का निर्माण की तैयारी

मण्डला।

शहर में नगरपालिका और राजस्व अमले की कथित सुस्ती के कारण अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। ताजा मामला ज्वाला जी वार्ड, महाराजपुर स्थित खसरा नंबर 128 की गौठान भूमि का है, जहां सार्वजनिक उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पत्रकारों संघ द्वारा पौधारोपण किया गया था।

पौधों की सुरक्षा के लिए संघ ने फेंसिंग कराई थी और नगरपालिका के द्वारा गेट भी लगवाए थे, लेकिन असामाजिक तत्वों ने फेंसिंग तोड़कर पौधों को नुकसान पहुंचा दिया। शिकायतों के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने से अतिक्रमणकारी खुलेआम झोपड़ी खड़ी कर पक्का निर्माण करने की तैयारी में जुटे हैं।स्थानीय निवासियों का आरोप है कि अतिक्रमण की सूचना कई बार संबंधित विभागों को दी गई, परंतु कार्रवाई के नाम पर केवल आश्वासन मिलता रहा। पहले फेंसिंग तोड़ी गई, फिर पौधों को नष्ट किया गया और अब उसी भूमि पर झोपड़ी डाल दी गई है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते सख्ती दिखाई जाती तो स्थिति यहां तक नहीं पहुंचती। मौजूदा हालात में अतिक्रमणकारी अंदर ही अंदर पक्का निर्माण की फिराक में हैं, जिससे सरकारी भूमि पर स्थायी कब्जे की आशंका गहरा गई है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आशंका यह भी जताई जा रही है कि बाद में नगरपालिका के कुछ कर्मचारी द्वारा वर्षों का मकान कहकर वसूलकर रसीद थमा देंगे, जिसके आधार पर अतिक्रमणकारी पट्टे की दावेदारी ठोकते हुए न्यायालय की शरण ले सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो सरकारी भूमि को मुक्त कराना और भी जटिल हो जाएगा। यह पूरा घटनाक्रम प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।गौरतलब है कि गौठान भूमि का उपयोग पारंपरिक रूप से पशुधन और सामुदायिक गतिविधियों के लिए किया जाता रहा है। ऐसे में इस पर अतिक्रमण न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि सामुदायिक हितों और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों पर भी सीधा प्रहार है। पौधारोपण जैसी सकारात्मक पहल को नुकसान पहुंचाना और प्रशासन का मूकदर्शक बने रहना, दोनों ही चिंताजनक हैं।

शहर के जागरूक नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि तत्काल मौके में पहुंच कर अतिक्रमण हटाया जाए, दोषियों पर प्रकरण दर्ज हो और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए निगरानी तंत्र मजबूत किया जाए। यदि प्रशासन अब भी नहीं जागा तो मंडला में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों की बाढ़ आ सकती है। सवाल यह है कि आखिर कब तक जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे रहेंगे और अतिक्रमणकारी कानून को चुनौती देते रहेंगे।

खबर संक्षेप

चुटका परमाणु परियोजना संबंधी बैठक आयोजित

मण्डला। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में चुटका परमाणु परियोजना संबंधी बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने बैठक में कहा कि मुख्य सचिव मध्यप्रदेश एवं भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अधिकारियों द्वारा उक्त परियोजना की प्रगति की समीक्षा की जानी है। इसके लिए अभी तक की पूरी प्रक्रिया एवं संबंधित सम्पूर्ण पीपीटी तैयार करानी है। बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने परिवारों के पुनर्वास, विस्थापन, अवार्ड, पूरक अवार्ड, धारा 19 तथा 23, दोहरे विस्थापन, टिकरिया से चुटका तक सड़क निर्माण सहित सभी विषयों पर बिंदुवार समीक्षा करते हुए तैयारियों के लिए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, डीएफओ पूर्व श्री एम एस मौर्य, डीएफओ उत्पादन सुश्री पूजा नागलें, एएसपी श्री शिव कुमार वर्मा, डिप्टी कलेक्टर क्षमा सराफ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते का दौरा कार्यक्रम

मण्डला। एससी, एसटी कल्याण संबंधी समिति, लोकसभा सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते के जिले में निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार 23 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे जेवरा से मण्डला के लिए रवाना होंगे तथा दोपहर 12 बजे मण्डला पहुंचेंगे एवं स्थानीय कार्यक्रम और सायं 5 बजे सांसद का समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे रात्रि 8 बजे मण्डला से रवाना होंगे तथा 8:45 बजे कान्हा एमपीटी पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे। सांसद श्री कुलस्ते 24 फरवरी को प्रातः 11 बजे कान्हा एमपीटी मण्डला से जिला बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 1 बजे बालाघाट पहुंचकर प्रेस कांफ्रेस में शामिल होंगे। इसके बाद श्री कुलस्ते दोपहर 2 बजे बालाघाट से सिलादेही जिला सिवनी के लिए प्रस्थान करेंगे।

समयबद्ध जनगणना कार्य के लिए अधिकारियों का प्रशिक्षण आज

मण्डला। जनगणना 2027 के प्रथम चरण को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए मंडला जिले में अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 एवं 24 फरवरी 2026 को आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य की तैयारियों के तहत आयोजित होगा।मध्यप्रदेश राज्य में जनगणना के प्रथम चरण का कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक संपादित किया जाएगा। इस आशय की अधिसूचना 23 जनवरी 2026 को मध्यप्रदेश राजपत्र में प्रकाशित की जा चुकी है।

निरंकारी मिशन के प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत संगम घाट में किया श्रमदान

मण्डला।

संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने हेतु प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत स्वच्छ जल,स्वच्छ मन अभियान मुखी महात्मा अनिल बानी के पावन सानिध्य में संगम घाट महाराजपुर मंडला पर किया गया। इस अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है,ताकि भावी पीढ़ियों को निर्मल जल और स्वस्थ पर्यावरण का वरदान प्राप्त हो सके। संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय,भारत सरकार के सहयोग से प्रोजेक्ट अमृत का शुभारंभ किया था। इस दिव्य पल का उद्देश्य केवल जल स्त्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित करना ही नहीं बल्कि जल संरक्षण और मानव जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सोच को विकसित करना है।

नदियों, झीलों, तालाबों,कुओं और झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण को समर्पित महाभियान में अपने पहले तीन चरणों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। इसी प्रेरणा के साथ इस वर्ष चौथे चरण को और अधिक व्यापक प्रभावी एवं दूरगामी दृष्टि से आगे बढ़ाया गया है, ताकि यह अभियान निरंतर विस्तार पाकर समाज में जागरूकता,सेवा और समर्पण की एक सशक्त लहर उत्पन्न कर सके। बताया गया कि यह वृहद अभियान देश भर में 27 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 1500 से अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया है।इस अभियान की यह अभूतपूर्व व्यापकता इस ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करेगी, जिससे जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश और अधिक प्रभावशाली रूप से जन-जन तक पहुंचेगा।

माता सुदीक्षा महाराज भी यही प्रेरणा देती हैं कि हम इस धरती को और भी अधिक सुंदर स्वरूप में छोड़कर जाएं। यह अभियान इस संकल्प का एक साकार स्वरूप है जो समाज को जनता सेवा और समर्पण की दिशा में आगे बढ़ने का कार्य करेगा। अभियान में पुरुष,महिलाओं एवं बच्चों ने मिलकर 100 से अधिक संख्या में सहभागिता की।

ग्राम पंचायत रामनगर में बाल विवाह रोकथाम हेतु कार्यशाला आयोजित

मण्डला। बाल विवाह के विरुद्ध जन जागरूकता हेतु चलाए जा रहे 100 दिवसीय अभियान के तृतीय चरण के अंतर्गत शनिवार को ग्राम पंचायत रामनगर में बाल विवाह रोकथाम विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण में सहभागिता सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी प्रशासक श्रीमती मधुलिका उपाध्याय ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने पॉक्सो एक्ट एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी तथा सभी को बाल विवाह न करने एवं न होने देने की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की एवं 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है, जिसे शासन द्वारा प्रतिबंधित किया गया है। बाल विवाह कराने, करवाने या उसमें शामिल होने वालों के लिए 1 लाख रुपये तक जुर्माना एवं 2 वर्ष तक के कारावास अथवा दोनों का प्रावधान है। कार्यक्रम में जिला स्तर पर संचालित कंट्रोल रूम की जानकारी दी गई तथा आई.ई.सी. सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं डायल 112 पुलिस हेल्पलाइन के उपयोग के संबंध में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर प्रभारी प्रशासक मधुलिका उपाध्याय, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं, बहुउद्देशीय कार्यकर्ता आरती वरकड़े सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

21 दिन की विशेष देखरेख से कुपोषण पर जीत नन्ही कुसुम के चेहरे पर लौटी मुस्कान

मण्डला। जिला चिकित्सालय मंडला स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र में 21 दिनों की विशेष देखरेख और सतत निगरानी से एक गंभीर रूप से कुपोषित बालिका को नया जीवन मिला। अब नन्ही कुसुम पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुकी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहंती ने बताया कि ग्राम चपटल टोला गौराछापर, तहसील नैनपुर निवासी 1 माह 23 दिन की बालिका कुसुम मरकाम को 29 जनवरी 2026 को गंभीर अवस्था में जिला चिकित्सालय मंडला में भर्ती कराया गया था। बच्ची को सांस लेने में परेशानी और स्तनपान करने में कठिनाई हो रही थी। प्रारंभिक जांच के बाद उसे पीआईसीयू में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया और लगातार निगरानी में रखा गया। 12 दिन बाद स्थिति में सुधार होने पर बच्ची को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में स्थानांतरित किया गया। उस समय उसका वजन मात्र 1.700 किलोग्राम और लंबाई 45 सेमी थी। कम वजन के कारण वह गंभीर कुपोषण श्रेणी में थी। विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में एनआरसी गाइडलाइन के अनुसार उपचार, उचित पोषण, स्तनपान सहयोग और कंगारू मदर केयर के माध्यम से देखभाल की गई।

21 दिनों की निरंतर चिकित्सा, संतुलित आहार और मां को दी गई परामर्श सेवाओं का सकारात्मक परिणाम सामने आया। डिस्चार्ज के समय बच्ची का वजन बढ़कर 2.285 किलोग्राम हो गया और वह सफलतापूर्वक स्तनपान करने लगी। सभी आवश्यक टीकाकरण भी पूर्ण कराए गए। सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे के मार्गदर्शन में चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की टीम ने समर्पण भाव से उपचार किया। स्टाफ द्वारा मां को स्तनपान, संक्रमण से बचाव एवं नियमित टीकाकरण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे बच्ची के समुचित विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ।

कुसुम की मां ने भावुक होकर बताया कि पोषण पुनर्वास केंद्र में मिली देखरेख और उपचार से उनकी बच्ची को नया जीवन मिला है। उन्होंने शासन-प्रशासन और अस्पताल की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। यह कहानी दर्शाती है कि समय पर उपचार, विशेषज्ञ देखरेख और मातृ सहयोग से गंभीर कुपोषण जैसी चुनौती को भी हराया जा सकता है।

ग्राम पटेहरा में सीताराम संकीर्तन समिति की प्रभात फेरी महोत्सव

नारायणगंज।

नारायणगंज जनपद पंचायत पटेहरा ग्राम जहां पिछले कई सालों से ग्राम पटेहरा मे सीताराम संकीर्तन समिति द्वारा पिछले 21 सालों से प्रति दिन सुबह प्रभात फेरी का आयोजन होता हे जिसमें गाओ का प्रत्येक व्यक्ति सीताराम संकीर्तन समिति से जुड़ कर स्वस्थ लाभ के साथ साथ धार्मिक लाभ भी ले रहे है, पिछले कुछ सालों से सीताराम संकीर्तन मंडल द्वारा राम धुन प्रभात फेरी का आयोजन पटेहरा ग्राम से शुरुआत होते हुए, आजकल आस पास के कई गांव में रामधुन प्रभात फेरी होने लगी हे आस पास में प्रभात फेरी करवाने का श्रेय गांव के बुजुर्ग और सीताराम समिति से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं को जाता हैं जो लोगों को सुबह उठने ओर राम से जुड़ने का प्रयास निरंतरण कर रहे जिनके द्वारा आसपास के गांव पर भी राम धुन प्रभात फेरी शुरू हो चुकी है। शाखा फैल चुकी है जिससे कि आसपास के गांव में भी प्रभात फेरी होना शुरू हो चुकी है।

राम पटेहरा में आयोजित प्रभात फेरी की 21वीं वर्षगांठ को बड़े ही उत्साह से मनाया गया साथ ही बड़े धूम धाम से हनुमान मन्दिर का निर्माण कर प्राण प्रतिष्ठा कर अवसर पर सुबह 9:00 बजे से कलश यात्रा निकाल कर 12:00 बजे देव पूजा कार्यक्रम किया गया साथ ही चौकी , सिंघानपुरी, पडरिया, टोला तिलगाव,सोनपुर, सुंदरपुर, पटपरा देवरी, बरेला, डूडी 17 संकीर्तन समितियों का आगमन हुआ स्वागत और साथ ही कारीक्रम समपन हुआ जिसमे उपस्थित सरपंच कालिचरण मार्को,बेनी लाल सिंगरोरे बंटू समाज सेवक, दुर्गेश सिंगरौरे, ओमकार सिंग रोरे संजू सिंगरोरे ,उमेश सिंगरोरे, राजाराम,रघुवीर,सुरेंद्र, श्याम सुंदर,नोनेलाल, छोटे लाल, धनेश्वर पटेल, सचिव दिवेंद्र श्रीवास्तव उप सरपंच प्रकाश,अखिलेश अग्रवाल आदि लोगों का प्रवचन हुआ संतों का सम्मान अंत में प्रभात फेरी संकीर्तन सीताराम समिति के कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया , गोरव प्रतिभा छात्र छात्रों का हुआ सम्मान जो राम धुन से समाज को जोड़ने का प्रयास कर रहे हे उनको भी सम्मानित किया गया अंत में कन्या भोज ओर भंडारा वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

जागरूक गांव, सुरक्षित मंडला: पुलिस की चौपाल पहल जारी

मण्डला।

मंडला पुलिस द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा जागरूकता का अभियान निरंतर जारी है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में शनिवार को जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में माइक्रो बीट पुलिस चौपाल का आयोजन किया गया।

चौपाल कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों एवं विद्यार्थियों को हेलमेट की अनिवार्यता, यातायात नियमों के पालन, नशा मुक्ति, साइबर अपराध से बचाव तथा महिला एवं बाल सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने सरल भाषा में समझाते हुए आमजन से कानूनों का पालन करने और सुरक्षित समाज निर्माण में सहयोग की अपील की।

अभियान के अंतर्गत थाना टिकरिया के ग्राम चीरी में, थाना बीजाडांडी के ग्राम धाना, थाना निवास के ग्राम खमरिया, थाना बिछिया के ग्राम पिपरिमाल में, थाना मोहगांव के ग्राम बाझडेही में, थाना घुघरी के ग्राम सिमरिया, लाफन, थाना मवई के ग्राम मानिकपुर में, थाना मोतीनाला के ग्राम बदवार में तथा चौकी पिंडरई के ग्राम बीजेगांव में, चौकी मनेरी के ग्राम पौनिया एवं चौकी पांडीवारा क्षेत्रों में चौपाल लगाकर ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विशेष हेलमेट चेकिंग अभियान भी चलाया गया। बिना हेलमेट वाहन चालकों को रोककर समझाइश दी गई तथा उन्हें भविष्य में नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई।

शपथ-पत्र

मैं, किशोर कालपीवार (**KISHORE KALPIWAR**), पिता मोहन चन्द्र कालपीवार (**MOHAN CHANDRA KALPIWAR**), आयु वर्ष, निवासी **H.N.** 132, 42 **B**, आजाद वार्ड, गर्ल्स कॉलेज के पास, मंडला, जिला मंडला (म.प्र.) 481661, शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट क्रमांक **K**4988564 में मेरा नाम **KISHORE KUMAR KALPIWAR** अंकित है। जबकि मेरा सही एवं वर्तमान नाम **KISHORE KALPIWAR** है। भविष्य में मुझे **KISHORE KALPIWAR** नाम से ही जाना एवं लिखा जाए। उपरोक्त नाम परिवर्तन किसी प्रकार की धोखाधड़ी या अनुचित लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से नहीं किया गया है। यह शपथ-पत्र में अपने नाम के संशोधन/परिवर्तन के समर्थन में प्रस्तुत कर रहा/रही हूँ।

पुराना नामः **KISHORE KUMAR KALPIWAR**

नया/परिवर्तित नामः **KISHORE KALPIWAR**

शपथकर्ता

(किशोर कालपीवार)

शादियों का सीजन शुरू होते ही नगर की सड़कों पर फिर दिखाई देंगे जाम के नजारे, नगर के अंदर संचालित शादी घर आमजन के लिये बन रहे परेशानी का कारण...

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

शादियों के सीजन इस समय अपने पूर्णरूप से सबाब पर दिखाई देने से नही चूक रहा है। इस हाल में आम लोगों को जिस तरह की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है उसे लेकर प्रशासन की भूमिका सदा ही चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाती है..? क्योंकि नगर में देखा जा रहा है कि लोगों द्वारा अपने निजी स्वार्थ व पैसा कमाने के चलते निमय विरूद्व जहां तहां शादी घर खोलने से नही चूक रहे है। जबकि नियम के अनुसार शादी घरों के संचालन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो किसी भी शादी घर को खोलने के लिये शासन द्वारा निर्धारित मापदंड बनाये गये है और उनका पालन करते हुये शादी घरों का संचालन किया जाना जरूरी होती है। मगर शायद की नगर में संचालित होने वाले इन शादी घरों में शासन के माप दंडो का पालन होते हुये देखा जा रहा हो..? मगर इसके बाद भी सच्चाई को नगर अंदाज करते हुये प्रशासन द्वारा जिस प्रकार से चुप्पी साधी जा रही है उसके चलते नगरवासियों के लिए परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। नियम के अनुसार बताया जाता है कि किसी भी शादी घर उस जगह पर होना चाहिए जिसमें आयोजन के दौरान होने वाले ध्वनि प्रदूषण से किसी व्यक्ति को परेशानी का सामना न करना पड़े। वही लोगों को अपने वाहन खड़े करने के लिए जहां अच्छी पार्किंग व्यवस्था होने के साथ साथ अन्य सुविधाएं भी उलब्ध रहना चाहिए, इसके आलवा शादी घरों का संचालन संबंधी शासन द्वारा जो नियम बनाये गये है उनके अनुसार म.प्र. भूमि विकास नियम के तहत किसी भी मैरिज गार्डन यानि की शादी घर के लिये न्यूनतम भूमि एक हैक्टेयर होना अनिवार्य है तथा उसमें सामने की ओर सड़क की न्यूनतम लंबाई 18 मीटर तथा परिसर का न्यूनतम हिस्सा सामने की ओर 40 मीटर होने के साथ साथ वाहन पार्किंग की व्यवस्था तो सबसे जरूरी होने के आलवा अन्य सुविधाएं भी जरूरी मानी जाती है। इन व्यवस्थाओं के बीच चलते हुये शायद ही नगर में कोई शादी घर मिल पायेगा...? हाल यह बना हुआ है कि नगर के अंदर संचालित शादी घरों के वाहन मुख्य मार्गो प्र खड़े रहने के कारण आमजन को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है। क्योंकि नगर में जिस प्रकार से लोगों द्वारा अपने निजी स्वार्थ व कमाई के लालच को ध्यान में रखते हुये जहां तहां बनाये जा रहे शादी घरों के कारण उस क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों को अनेक प्रकार के परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो वही दूसरी रहवासी क्षेत्रों में संचालित होने वाले इन शादी घरों में रात रात भर होने वाले शोरगुल के चलते बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होते हुये देखी जा रही है। जबकि नियम के अनुसार मा. उच्च न्यायालय के अनुसार रात्रि 10 बजे के बाद सभी प्रकार के ध्वनि यंत्रों में प्रतिबंध होने के बाद भी इन शादी घरों में रात रात भर ध्वनियंत्र चलते हुये देखे जाते है। वही दूसरी ओर पार्किंग व्यवस्था नही होने के कारण इन मैरिज गार्डनों में शादी समारोह आयोजित होते है तो मुख्य सड़कों पर वाहनों के खड़े होने के कारण जाम की स्थिति निर्मित होने से विवाद की स्थिति पैदा होना आम बात बुन चुकी है..? कुछ शादी घरों की सच्चाई तो इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां शादी घर मालिकों द्वारा पहले जिस भूमि को कालोनी बनाने की सोच के चलते लोगों को प्लाट बेचना शुरू किया गया था और कुछ प्लाट बिकने के बाद जब शेष प्लाट नही बिके तो उसी भूमि पर शादी घर बनाते हुये इन कालोनियों के प्लाट लेकर मकान बनाने वालों के लिये जिन्दगी भर के लिये मुश्बित खड़ी करते हुये अपना शादी घर बनाते हुये पैसा बटोरना शुरू कर दिया गया है। इस तरह कालोनाईजरों द्वारा प्लाट खरीदने वालों को गुमराह करते हुये बनाये गये इन शादी घरों के चलते वहां लोगों को लगातार परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इतना ही नही रहवासी क्षेत्रों में संचालित होने वाले इन शादी घरों से निलने वाली जूठन को जब उनके द्वारा सड़कों या फिर नाली में डाल दिया जाता है कि संपूर्ण क्षेत्र में गंदगी फैलने से लोगों का जीना दूभर होते हुये दिखाई देने लगा है। मगर प्रशासन द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि नगर में लोगों द्वारा अपने रहवासी मकानों व काम्पलेक्सों को शादी घर में परिवर्तित करते हुए कमाई करने में लगा हुआ देखा जा रहा है जो मकान कभी रहवासी हुआ करते हुआ करते थें आज वह शादी घर बनकर जहां मकान मालिको के लिये दुधारू गाय बन गये है तो आसपास निवास करने वाले लोगों के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक रहे है? इस तरह नगर में चल रहे शादी घरों के पंजीयन पर गौर किया जावे तो नियम के तहत शायद ही किसी के पास शासन द्वारा अपने भवनों को शादी घर के रूप में चलाने के पंजीयन दर्ज मिल पायेगा? मगर इसके बाद भी स्थानीय प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण लोगों द्वारा नगर के अंदर अपने भवनों का निर्माण करने के बाद या तो उन्हें किसी आफिस या अन्य कार्य के लिए किराय पर दे दिया जाता है और बाद में उसका स्वरूप बदलते हुए शादी घर बनाते हुए कमाई करने में लग जाते है..? इस प्रकार से नगर के अंदर लगातार शुरू होते जा रहे शादी घर के मालिकों द्वारा की जा रही मनमानी के चलते आम लोगों की जिन्दगी दूभर होने से नही चूक पा रही है। वही दूसरी ओर नगर के अंदर संचालित हो रहे शादी घरों में जब बराते लगती है तो जहां संपूर्ण सड़कों पर कब्जा कर लिया जाता है जिससे कई घंटो तक यातायात व्यवस्था बदहाल होने से नही चूक पाती है। इस तरह नगर में चल रहे इन शादी घरों में रात रात भर होने वाले ध्वनि यंत्र को नजर अंदाज करना प्रशासन की उदासीनता का खुला प्रमाण उजागर होते हुये जान पड़ रहा है। क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों से नगरवासियों द्वारा अपेक्षा व्यक्त की गई है कि नगर में संचालित होने वाले इन शादी घरों की खोज खबर लेते हुये रात रात रात चलने वाले ध्वनि यंत्रों के साथ साथ मुख्य मार्गो पर कब्जा जमाने वाले रवैया पर अंकुश लगाया जावे।

खबर संक्षेप

ऑटो चालकों की मनमानी यात्रियों की जिन्दगी को डाल सकती है खतरे में..?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर सहित क्षेत्रों सड़कों पर दौड़ रहे आटों चालकों की इस प्रकार की मनमानी देखने मिल रही है कि वह जहां यातायात व्यवस्था को बदहाल बना रहे है, वही दूसरी ओर आये दिन देखा जाता है कि जहां तहां आटों खड़े कर दिये जाने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो नगर सहित क्षेत्र की सड़को पर ओवर लोडिंग आटों चलाना आम बात हो रही है? इतना ही नही पुलिस प्रशासन की उदासीनता के चलते अब तो इन आटों चालकों के हौसले इतने बुलंद दिखाई पड़ने लगे है कि वह आटों में सबारी करने वाले यात्रियों की जिन्दगी के साथ खुलेआम खिलवाड़ करते हुए दिखाई देने से नही चूक रहे है? इस बात की सच्चाई नगर के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में सबारी लेकर जाने वाले आटों में आसानी से देखने मिल रही है जो धन के लालच में आटों में बैठी हुई सबारियों की जिन्दगी खतरे में डालने से नही चूक रहे है? बताया जाता है कि यह आटों चालक अपने आटों में सबारियों के साथ साथ गैस सिलेण्डर भरकर सड़क पर दौड़ाते हुये देखे जा रहे है। इस प्रकार से जहां किसी भी सबारी आटों में गैस सिलेण्डर परिवहन करना नियम विरूद्ध माना जाता है। जिसमें प्रमुख रूप से सबारियों के इस तरह गैस से भरे हुये सिलेण्डर लाना ले जाने निश्चित तौर सबारियों के लिये खतरे से खाली नही रहता है? क्योंकि इस तरह आटों में सबारियों के बीच गैस सिलेण्डर का परिवहन करते समय यदि किसी सबारी द्वारा आटों में बैठे बैठे माचिस की तीली जल दी गई और किसी सिलेण्डर से गैस रिस रही होगी तो उस स्थिति में क्या होगा इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है? मगर बडे ही हैरत की बात है कि इस तरह आटों चालकों द्वारा खुलेआम की जा रही मनमानी के बाद भी स्थानीय प्रशासन द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देना इस बात की ओर संकेत देते हुए जान पड रहा है कि शायद प्रशासन ही किसी बडी घटना का इंतजार कर रहा हो..?

नगर में भारी वाहनों पर निर्धारित समय के लिये लागू की जावे नो एन्ट्री

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जहां एक ओर सांईखेड़ा क्षेत्र में लगातार विकास की बात तो आये दिन होते हुए सुनी जा रही है। मगर नगर की प्रमुख समस्या को लेकर आज तक निजात दिलाने की ओर किसी भी प्रकार की पहल नही होना जहां क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास के कार्यो पर प्रश्न चिन्ह लगते हुए देखा जा रहा है? वही दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी भी इस समस्या के चलते खतरे से खाली दिखाई नही दे रही है। क्योंकि इस समस्या के बीच गरीब लोगों को मौत के मुख्य में बैठकर अपनी रोजी रोटी कमाने के लिए मजबूर देखा जा रहा है? बताया जाता है कि नगर के बीचों बीच से निकला हुआ प्रदेश की राजधानी से जुड़ने वाले स्टेट स्तर के मार्ग पर जिस प्रकार से दिन भर भारी वाहनों की धमाचौकड़ी लगी रहती है। वही दूसरी ओर इस मार्ग के किनारे ही लगने वाले साप्ताहिक बाजार में दुकानदारी करने वालों के लिए भी खतरे की घंटी बजाते हुए यह वाहन तेज गति से दौड़ रहे है? इतना ही नही इसी मार्ग से जहां नगर के स्कूली बच्चों का आना जाना रहता है। वही दूसरी ओर अन्य शासकीय कार्यालयों में पहुचने वाले लोगों का भी दिन पर इस मार्ग पर आना जाना होने क कारण जब इस मार्ग से भारी भरकम वाहनों का निकलना होता है तो आये दिन जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। वही दूसरी ओर बाजार के दिन तो यह हाल होता है कि लोगों का निकलना ही मुश्किल हो जाता है। इस सच्चाई को देखते हुए बीते लम्बे समय से लोगों द्वारा सांईखेड़ा में वायपास मार्ग की मांग की जा रही है। मगर इस ओर किसी भी जिम्मेदार द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण जहां आम लोगों के लिए खतरा पैदा हो रहा है। वही दूसरी ओर किसी दिन कोई बड़ी घटना की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है।

मासूम पेट की खातिर चल रहे है रस्सियों पर शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर लग रहा प्रश्न चिन्ह?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर शासन द्वारा बच्चों के हितों को ध्यान में रखते हुए जिस प्रकार से योजनाएं चलाई जा रही है, यदि उन योजनाओं को सही रूप से अधिकारियों द्वारा अमली जामा पहनाये जाने लगे तो निश्चित तौर से मासूम बच्चों का भविष्य बदल सकता है? मगर जिस स्थिति में इस समय मासूम बच्चों को देखा जा रहा है उसे सच्चाई पर गौर किया जावे तो शासन द्वारा चलाई जा रही संपूर्ण योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लगता हुआ जान पड़ रहा है? वही दूसरी ओर शासन की योजनाओं का संचालन करने वाले अधिकारियों की कार्य करने की भूमिका सामने आने से नही चूक पा रही है? क्योंकि जिन बच्चों को इस उम्र में स्कूलों में जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहिए थी, वह मासूम बच्चें अपने पेट की खातिर रस्सी पर चलते हुए अपने जान को खतरे में डालते हुए देखे जा रहे है? इस बात की सच्चाई इस समय नगर में जहां तहां आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर यह मासूम सर्कस नुमा नौटंकी का खेल दिखाते अपना पेट पालने के लिये मजबूर देखे जा रहे है? बताया जाता है कि बाहर से आये हुए कुछ लोगों द्वारा जहां लोगों का मनोरंजन करने तथा अपना व अपने बच्चों का भरण पोषण करने के लिए मासूम बच्चों को रस्सी पर चलाकर अनेक प्रकार के कर्त्तव्य दिखाये जा रहे है जिन्हें लोग देखते हुए जहां ताली बजाकर सबासी प्रदान कर रहे है। वही दूसरी ओर इस प्रकार से ताली बजाने वालों की भीड़ में मासूमों का जीवन संभारने का जिम्मा निभाने वाले वह अधिकारी भी नजर आते है। इस सबको देखकर यह सबाल पैदा होने से नही चूक पाता है कि यदि शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का यदि सही तरीके से संचालन हो रहा होता तो शायद इन मासूम बच्चों को इस तरह अपनी जिन्दगी दांव पर लगाते हुये पेट पालने के लिये मजबूर न होना पड़ता?

नगर में अचानक महिला भिखारियों की संख्या में इजाफा बना चर्चा का विषय, संदिग्ध स्थिति में नजर आने वाले चेहरों की खोज खबर जरूरी...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

इस समय नगर में देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से बाहरी लोग अपना डेरा जमाते हुए नगर से लेकर गांव गांव भ्रमण करते हुये देखे जा रहे है वह निश्चित तोर से चिंता जनक बनने से नही चूक रहा है...? इस बात को लेकर लोगों में दहशत की स्थिति देखने मिल रही है..। मगर इस बात को शायद न तो प्रशासन गंभीरता पूर्वक लेते हुए दिखाई पड़ रहा है और नही अन्य कोई समाजसेवी संस्थाओं द्वारा जिससे नगरवासी इन बाहरी लोगों की नगर में लगातार बढ़ रही फौज के चलते अपने आप को असुरक्षित महसूस करते हुए दिखाई देने से नही चूक पा रहे है? यदि इस सच्चाई पर गौर किया जावे तो पूर्व के समय में पुलिस द्वारा वाहन चोरी से लेकर मादक पदार्थो के आलवा अन्य घटनाओं में पकड़े गये अनेक आरोपियों में बाहरी लोग ही शामिल थें जो दिन भर नगर में भ्रमण करते हुए रात को घटनाओं को अंजाम देने के बाद गायब हो जाते है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई पुनः नगर में प्रतीत होने से नही चूक रही है..? अनेक भेषों में जिस प्रकार से नगर की सड़को पर अनजान चेहरे दिखाई दे रहे है। यदि उन लोगों के संबंध में सच्चाई का पता किया जावे तो यह जानकारी शायद ही प्रशासन के पास भी उपलब्ध रहती हो...? इस प्रकार से नगर में चारो ओर अनजान बाहरी लोगों के डेरे जमे हुए दिखाई पड़ने के साथ आये दिन बढ़ोत्तरी होते दिखाई देने लगी है। मगर इसके बाद भी प्रशासन अनजान बनना निश्चित ही चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक पा रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो अनेक महिलाएं जहां नगर की सड़कों अपने मासूम बच्चों को लेकर भीख मांगते हुए देखी जा रही है उनके बारे में शायद ही किसी को इस बात का पता नही है कि आखिर में यह रहने वाली कहा की है और यहां पर भीख मांगने के लिए कैसे पहुंच रही है जो दिन भर नगर के भ्रमण करने के बाद रात के समय अचानक गायब हो जाती है। कुछ दिनों की रूकावट के बाद नगर में अचानक महिला भिखारियों की संख्या में जिस तरह इजाफा देखने मिल रहा है। वह चर्चा का विषय बनने के साथ साथ अपनी गोदों में रखे हुये मासूम बच्चों की सच्चाई पर सबाल खड़े करने से नही चूक रही है..? नगर के हर गली मुहल्ला से लेकर कालोनियों में भ्रमण करते हुये देखी जा रही इन महिला भिखारी अपने साथ एक मासूम बच्चें को गोद में रखे हुये लोगों से भीख मांगते हुये देखी जाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर में भीख सहित अन्य कार्यो में लगे हुए किशोरों से लेकर मासूम बच्चों की देखने मिल रही है..? बीते हुये वर्ष नगर में घटित हुई मोबाइल चोरी की घटनाओं की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो पुलिस द्वारा घटना के बाद जब गुप्त केमरों खगारें गये हुये थें उसमें इसी प्रकार से कुछ संदिग्ध महिलाये व एक मासूम बच्चें की सच्चाई सामने आई हुई थी..? नगर में अचानक इस तरह मासूम बच्चों के साथ महिला भिखारियों की संख्या में इजाफा अनेक संदेहों को जन्म देने से नही चूक पा रहा है और लोगों में यह चर्चा का विषय बना है कि शहर में इस तरह भारी मात्रा में इनका आगमन कहा से हो गया है...? जबकि शहर क्षेत्र में कोई बाहरी व्यक्ति नजर आता है तो सबसे पहले पुलिस को उसके संबंध में संपूर्ण जानकारी एकत्र करते हुए थाने में पूरा उसका वायोडाटा जमा करना चाहिए। मगर ऐसा होते हुए दिखाई ही नही पड़ रहा है जिसके चलते क्षेत्र में लगातार बाहरी लोगों को इजाफा होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है। गौर किया जावे तो नगर पिछले कुछ समय से अनेक महिलाएं और बच्चें कटोरानुमा पात्र में आराध्य देवी देवताओ की मूर्तियां रखकर भीख मांगाते हुए दिखाई देने से भी नही चूक रही है जो अपने साथ तीन तीन मासूम बच्चों को रखे हुये उनके भूखा होने के नाम पर लोगों के घरों के दरबाजे या फिर दुकानों के सामने खड़ी हुई आये दिन दिखाई दिखाई दे रहे है। वही दूसरी ओर इनका भीख मांगने के इस नये तरीके से आमजन मानस आहत हो रहा है..? कुछ साल पहले नगर में घटित हुई अनेक घटनाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नई गल्ला मंडी बैक से पैसों से भरा हुआ बैग गायब हुआ था उसमें भी एक नाबांलिग लकड़ा के शामिल होने की सच्चाई सामने आयी थी। इसके आलवा नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में शादी समारोहों में घटित हुई अनेक चोरी की घटनाओं में भी गुप्त केमरों में इस प्रकार से नाबांलिग बच्चों की फोटो सामने आ चुकी है..? इस तरह नगर में लगातार बढ़ रही अनजान चेहरों की खोज बखर लेना जरूरी बनने चुका है।

प्रशासन की सड़कों से मवेशी हटाने की मुहिम पड़ी ठंडी, फिर खतरा बनने लगे सड़कों पर घूमते आवारा पशु

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर की सड़को पर घूमने वाले आवारा पशु निश्चित तौर से नगरवासियों के लिये सिर दर्द बनने से नही चूक पा रहे है। क्योंकि नगर के प्रमुख चौराहों से लेकर आम रास्तों पर बैठे रहने वाले यह आवारा पशु जहां सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण साबित हो रहे है तो दूसरी ओर नगर के सब्जी बाजार से लेकर दुकानदारों को परेशान करने से नही चूक रहे है। इस प्रकार से सड़को पर घूमने वाले आवारा पशुओं को लेकर बीते हुये कुछ समय पहले नगर पालिका प्रशासन द्वारा बाहर करने के लिये मुहिम छेड़ते हुये लाखों रूपया की लागत से कुछ वाहन भी खरीदे गये थें। वही कुछ कर्मचारियों को नियुक्त भी किया गया था। मगर नगर पालिका प्रशासन की यह मुहिम मात्र चार दिन की चांदनी फिर अधियारी रात ही साबित होते हुये जान पड़ रही है। जिसका परिणाम है कि दिन रात सड़को पर डेरा जमाये रहने वाले इन पशुओं के चलते लोगों का निकलना मुश्किल हो रहा है तो रात के समय स्थिति भयानक रूप लेने से इसलिये नही चूक पाती है कि जब अचानक लाईट चली जाती है उस दौरान जब वाहन चालक निकल रहा होता है तो सड़को पर बैठे हुये यह पशु नजर ही नही आते है और सड़क दुर्घटना का कारण बन जाते है। इस तरह आवारा पशुओं के कारण घटित हुई घटनाओं पर नजर डाली जावे तो जहां अनेक लोग घायल हो चुके है और अनेक लोगों की जाने भी जा चुकी है? मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ध्यान ही नही दिये जाने का परिणाम है कि सड़को पर घूमने वासले इन आवारा पशुओं की संख्या में दिनों दिन लगातार बढ़ोत्तरी का आलम बनते चला जा रहा है।

टुल्लू पंप कम कर रहे जल का प्रवाह कम, गरीबों के नलों से निकल रही हवा?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। हर वर्ष बारिश के आभाव के चलते लगातार गिरते हुए जल स्तर से जहां लोगो को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। वही लोगों के घर ही जल व्यवस्था सार्वजानिक नलो पर ही आश्रित होती जा रही है? नगर में नपा. द्वारा संचालित जल वितरण व्यवस्था को नगरवासियो द्वारा टुल्लू पंपो का प्रयोग कर नलो के जल प्रवाह को कम कर रहे है। वही दूसरी ओर टुल्लू पम्प के प्रयोग से दूसरों के हिस्से का पानी भी छीन लेते है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस वर्ष अच्छी बारिश न होने के कारण लगातार गिरते हुये जल स्तर के कारण नगर के अनेक क्षेत्रो में जल संकट की स्थिति निर्मित होने लगी है? नगर में अधिकतर लोगो के यहां जल आपूर्ति नपा की शासकीय नलो की माध्यम से होती है। परंतु बिना मशक्कत के ज्यादा पानी प्राप्त करने के लालच के कारण नागरिको द्वारा खुलेआम घर के बाहर नलो पर टुल्लू पंपो का प्रयोग किया जा रहा है, जिसके कारण नगर की जल आवंटन व्यवस्था पूरी तरह गड़बड़ाती हुई नजर आ रही है। बताया जाता है कि जिस वक्त नल आते है उसी समय नगर में घूमकर देखा जाये तो पता चल जायेगा कि सैकड़ो की तादाद में नलो से जुड़े हुये टुल्लू पंप दुसरो के हिस्से के पानी पर किस तरह डाका डाल रहे है। नगर के गरीब तबके लोगो के घर की जल व्यवस्था सार्वजानिक नलो पर आश्रित रहते है,स्वाभाविक रूप से गर्मी के दिनों

में पानी अधिक खर्च होता है पानी की जितनी आवश्यकता अमीर एवं मध्यम वर्ग को होती है उतनी ही दरकार गरीबो को भी होती है, परंतु उंचे तबके के लोग अपनी धौंस और पहुंच के बल पर अपने नलो में टूल्लू पम्पो का प्रयोग कर करते है। नलो में क्यो रहता है कम प्रवाह-नगर के ढलान वार्डो में रह रहे वाशिंदो को तो पानी मिल रहा है किन्तु वे लोग जिनके घर उंचाई पर है वहां पानी जरूरत के हिसाब से पहुंच नही रहा है जहां पर नलो से निकलने वाले पानी का प्रवाह ही कम है, दूसरी रही सही कसर जल वितरण व्यवस्था में टुल्लू पंपो का हस्ताक्षेप पूरी कर देता है, जिससे कई नल केवल हवा उगालते हुए नजर आते है? दूसरो के हिस्से में डांका-टुल्लू पंपो के प्रयोग से सार्वजानिक नलो में जल प्रवाह या तो कम हो जाता है या फिर दुसरी तरफ अवरूद्ध हो जाता है,जिससे दूसरो के हिस्सो के पानी से भी अपने हिस्सो में ले लेते है और वे अपने घरो के सामने सड़क या ऑगन में पानी सींचकर पानी व्यर्थ बहता हुआ नजर आता है।

शहीद नगरी की यातायात व्यवस्था में नहीं किये जा रहे सुधार के कोई प्रयास...

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

यातायात व्यवस्था सुधारने से लेकर लोगों को कानून का पाठ पढ़ाने के लिये आये दिन पुलिस को क्षेत्र की सड़को पर अपने हाथों में एक डायरी रूपी कट्टा रखे हुये चालानी प्रक्रिया को अंजाम देते हुये देखा जा सकता है। मगर इस समय जिस प्रकार से चीचली नगर के अंदर जो यातायात व्यवस्था बिगड़ी हुई है उस ओर चीचली पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि जहां नगरवासियों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर महिलाओं को नगर के अंदर की सड़को से निकलना मुश्किल हो चुका

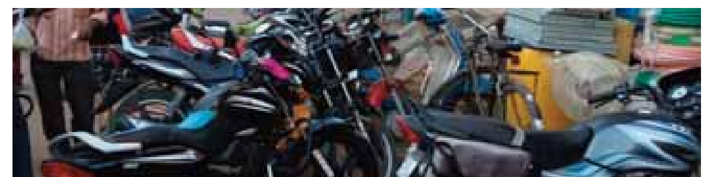

है..? क्योंकि इस समय नगर के बाजार क्षेत्र की मुख्य सड़क पूर्णरूप से वाहन स्टेन्ड के रूप में नजर आने से नही चूक पा रही है। क्योंकि जिस प्रकार से वाहन मालिको द्वारा अपने वाहनों को मुख्य सड़क सहित लोगों के घरों के सामने खड़े किये जा रहे है उसके चलते नगर की सड़को से वाहन निकलने की बात तो दूर पैदल निकलना भी मुश्किल हो चुका है, वही दूसरी ओर जिस प्रकार से लोगों के घरों के सामने वाहन खड़े किये जा रहे है उसके चलते आये दिन विवाद की स्थिति पैदा होने से भी नही चूक पा रही है..? मगर यातायात में सुधार लाने के नाम पर चालानी कार्यवाही में मस्त रहने वाली चीचली पुलिस द्वारा इस सच्चाई को जिस प्रकार से नजर अंदाज किया जा रहा है उससे यह जान पड़ने लगा है कि शायद चीचली पुलिस द्वारा नगर के अंदर किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार किया जा रहा हो..? इस प्रकार से देखा जा रहा है कि पुलिस की उदासीनता के चलते चीचली नगर के अंदर की यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से बेहाल हो चुकी है।

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के पंजीयन प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भारत सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएम-एसवायएम) संचालित की जा रही है। यह योजना श्रमिकों को वृद्धावस्था में आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। योजना के अंतर्गत ऐसे असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष के बीच है, मासिक आय 15 हजार रुपये तक है तथा जो आयकरदाता नहीं हैं और ईपीएफओ (पीएफ), ईएसआईसी या एनपीएस के सदस्य नहीं हैं, वे इस योजना के लिए पात्र हैं और अपना पंजीयन करा सकते हैं। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में लाभार्थी को आयु के अनुसार 55 रुपये से 200 रुपये तक मासिक अंशदान करना होता है। लाभार्थी द्वारा जमा की गई राशि के बराबर अंशदान केंद्र सरकार द्वारा भी योगदान के रूप में किया जाता है। योजना के तहत 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर लाभार्थी को न्यूनतम 3 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जाती है। वहीं लाभार्थी की मृत्यु की स्थिति में उनके जीवनसाथी को पेंशन की 50 प्रतिशत राशि पारिवारिक पेंशन के रूप में देय होती है। योजना में पंजीयन की सुविधा जिले के कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) एवं ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध है। श्रमपदाधिकारी नरसिंहपुर ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से अपील की है कि वे इस जनकल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने भविष्य को सुरक्षित करें। अधिक जानकारी के लिए श्रमिक नजदीकी सीएससी केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

शांति समिति की बैठक आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्वक मनाएं जाने के लिए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सोमवार 23 फरवरी को अपरान्ह 3 बजे नरसिंह भवन कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित की जायेगी। कार्यपालिक दंडाधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में आगामी 2 मार्च को होली (धुरेड़ी), 8 मार्च को रंगपंचमी, 19 मार्च को चैत्र नवरात्र प्रारंभ गुड़ी पडवा चेटीचांद, 21 मार्च को ईद-उल-फितर और 27 मार्च 2026 को रामनवमी का त्यौहार शांतिपूर्वक मनाये जाने के संबंध में उक्त बैठक आयोजित की जाएगी।

जनगणना 2027 कार्य हेतु दो कर्मचारी संलग्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में जनगणना 2027 संबंधी कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने के लिए जिला जनगणना अधिकारी ने दो कर्मचारियों को जनगणना कार्य में संलग्न करने का आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार सहायक ग्रेड 3 अंकित वर्मा एवं भृत्य अमित कुमार राजपूत को जनगणना समाप्ति एवं आगामी आदेश तक जिला जनगणना कार्यालय नरसिंहपुर में संलग्न किया गया है। उक्त कर्मचारी जिला जनगणना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी के निर्देशन में कार्य करेंगे।

प्रशासन के नियमों को धता दिखा रहा कॉलोनाइजर

मूलभूत सुविधाएं पूर्ण किए बिना बेंच दिए कॉलोनी के प्लाट

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर

सरकार द्वारा अर्बन विकास डेव्हलपमेंट के तहत शहरी विकास प्राधिकरण के माध्यम के निजी भूमि पर कॉलोनी विकसित करने की अनुमति प्रदान की जाती है लेकिन जिले के कुछ कालोनाइजर सरकार के नियमों को धता दिखाते हुए कॉलोनी का पूर्ण विकास किए बैगर ही प्लाटों का विक्रय कर दिया जाता है जिससे कालोनी के वासिंदों को बाद मे अनेकों परेशानियों का सामना करना पड़ता और लोग सरकार को दोष देते रहते है। ऐसा ही मामला जिला मुख्यालय मे सामने आया जहां पर अक्षरधाम आर डी जे कालोनी के कालोनाइजर द्वारा शासन के नियमों को दरकिनार करते हुए प्लाटों का विक्रय कर दिया। प्रशासन को चाहिए की कालोनी की जांच की ठोस कार्रवाई करें।

मामला इस प्रकार

नगर के खैरी नाका क्षेत्र में निजी भूमि पर अक्षरधाम आर डी जे पार्क कालोनाईजर द्वारा कालोनी का निर्माण किया जा रहा है। कालोनाईजर द्वारा शासन के नियमों को दरकिनार करते हुए कॉलोनी में रोड, नाली, पानी, तथा पार्क का पूरी तरह निर्माण किए बिना ही प्लॉटों का महंगे दाम पर विक्रय कर दिया। जबकि कालोनाईजर को कॉलोनी मे प्लाट विक्रय करने के पूर्व रहवासियों के लिए नाली, पानी, बिजली, रोड आदि की मूलभूत व्यवस्थाएं पूर्ण करनी चाहिए थी उसके उपरांत प्लाट विक्रय किए जाने थे। प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की नजरअंदाजगी के कारण कॉलोनाइजर मोटी कमाई करने मे लगा है। प्रशासन को चाहिए की जांच कर ठोस कार्रवाई करें जिससे लोगों को ठगा सा महसूस ना करना पड़े।

प्रशासन करे ठोस कार्रवाई

कालोनाईजर द्वारा लोगों को बेहतर सुविधाओं का प्रलोभन देकर कालोनी के प्लाटों का विक्रय कर दिया जाता है और बाद मे निवासियों की समस्याओं को दरकिनार किया जाता है और लोग प्रशासन को दोष देते रहते है प्रशासन को चाहिए की कालोनाइजर पर ठोस कार्रवाई कर नियमों के अनुरूप कालोनी का निर्माण कराया जाए। जिससे भविष्य में कालोनी मे निवास करने वालों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े। कालोनाईजर द्वारा बिना नाली, पानी, बिजली की व्यवस्थाएं पूर्ण किए कालोनी के प्लाट का विक्रय किया गया जो नियम विरूद्ध है। प्रशासन को चाहिए की कालोनी की जांच कर ठोस कार्रवाई करें। हालांकि अक्षरधाम कॉलोनी के कॉलोनाइजर द्वारा व्यापक मात्रा मे प्रचार प्रसार कर कॉलोनी का शुभारंभ किया गया।

संपत्ति विवाद हुआ प्रारंभ

सूत्रों की मानें तो अक्षरधाम कॉलोनी के विकास की अनुज्ञा प्राप्त होने के बाद कॉलोनाइजर द्वारा कॉलोनी का स्वरूप देकर प्लाटों का विक्रय प्रारंभ कर दिया गया। लेकिन कालोनी का शुभारंभ होने के बाद उक्त भूमि पर पारिवारिक विवाद गहरा गया। फिलहाल मामला कागजी कार्रवाई पर चल रहा है। लेकिन जिने लोगों द्वारा कालोनी में प्लाट खरीदी गए है उन पर संकटों के बादल मंडराते हुए नजर आ रहे है। यदि संपत्ति विवाद का फैसला कॉलोनाइजर के पक्ष में ना हुआ तो उनके हाथों से प्लाट और धन राशि भी जा सकती है। भूमि पर विवाद प्रारंभ होते ही प्रशासन को चाहिए था कि कॉलोनी विकास की अनुज्ञा को निरस्त कर क्रेताओं को उनकी राशि सुरक्षित रूप से लौटाई जाए। जिससे लोगों का प्रशासन पर विश्वास कायम रह सके। कालोनी मे गरीबी रेखा से जीवन यापन करने वालों को कितने प्लाट आवंटित किए गए है। उनकी कोई जानकारी नही दी गई है।

इनका कहना है

गरीबी रेखा से जीवन यापन करने वाले परिवार के व्यक्तियों को कोई प्लाट आवंटित नहीं किया गया है ना ही प्रशासन द्वारा अभी ऐसा आदेश दिया है।

अमित जयसवाल, कॉलोनाइजर

नरसिंहपुर जिले में पहुंची अटल कार्यकर्ता सम्मान यात्रा

54वें जिले के रूप में जनसंघ के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

नरसिंहपुर

अटल स्मृति समिति के संस्थापक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित धीरज पटेरिया जी के नेतृत्व में चल रही ३अटल कार्यकर्ता सम्मान यात्रा३ ने मध्यप्रदेश के 54वें जिले नरसिंहपुर में प्रवास पूरा किया। यह यात्रा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेश भर में जनसंघ से लेकर भाजपा तक के वरिष्ठ एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। नरसिंहपुर पहुंचने पर पंडित धीरज पटेरिया जी को जनसंघ काल से सक्रिय वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के प्रति श्रद्धा-सम्मान व्यक्त करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष, महामंत्री, पूर्व जिलाध्यक्ष, नगर पालिका के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, स्थानीय जनप्रतिनिधि, मंडल पदाधिकारी तथा पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं ने आत्मीय उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने मिलकर वरिष्ठ साथियों का प्रणाम किया और उनके योगदान को याद किया। पंडित धीरज पटेरिया जी ने कहा कि यह यात्रा उन उन नींव के पत्थरों को समर्पित है, जिनके त्याग, बलिदान और निष्ठा के कारण आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी हुई है। जनसंघ के कठिन दौर से लेकर वर्तमान तक संगठन के लिए जीवन समर्पित करने वाले इन तपस्वी कार्यकर्ताओं का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। अटल जी के आदर्शों को जीवंत रखने का यह प्रयास प्रदेश भर में सराहा जा रहा है। यह यात्रा अब तक 54 जिलों में पहुंच चुकी है, जहां घर-घर जाकर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को रजत पत्र, शाल-श्रीफल आदि से सम्मानित किया जा रहा है। नरसिंहपुर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित युवा कार्यकर्ताओं ने इसे प्रेरणादायक बताया और कहा कि ऐसे प्रयास नई पीढ़ी को संगठन की जड़ों से जोड़ते हैं। अटल स्मृति समिति के इस अनूठे अभियान से प्रदेश के कोने-कोने में अटल जी के प्रति श्रद्धा और कार्यकर्ता सम्मान की भावना मजबूत हो रही है। यात्रा का क्रम जारी रहेगा, ताकि अधिक से अधिक वरिष्ठ साथियों तक सम्मान पहुंचाया जा सके।

कथा के दौरान शिव महिमा का सुनाया वर्णन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। समीपी ग्राम सिंहपुर बड़ा मे आयोजित शिव महापुराण कथा के पंचम दिवस पर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

प्रातःकालीन वेद मंत्रों के उच्चारण एवं विधिवत पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कथावाचक पूज्य डॉ पं. भवानी शंकर जी तिवारी आचार्य श्री के श्रीमुख से भगवान शिव की दिव्य लीलाओं, भक्तों पर उनकी असीम कृपा तथा धर्म, संयम और भक्ति के महत्व का मार्मिक वर्णन किया गया। पंचम दिवस की कथा में विशेष रूप से भक्ति की महिमा, शिव-तत्व का रहस्य तथा जीवन में सदाचार अपनाने का संदेश दिया गया। कथा के मध्य श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव के उद्घोष से वातावरण को शिवमय बना दिया। यज्ञशाला में हवन एवं रुद्राभिषेक संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने आहुति देकर पुण्य लाभ अर्जित किया। संध्या आरती के समय दीपों की ज्योति और भजनों की स्वर लहरियों ने उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया। आयोजन समिति द्वारा सभी श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित व्यवस्थाएँ की गईं। पंचम दिवस की कथा ने श्रद्धालुओं के हृदय में शिव भक्ति की ज्योति प्रज्वलित कर दी। आगामी दिवसों में भी कथा श्रवण हेतु अधिकाधिक संख्या में उपस्थित रहने का आह्वान किया गया।

रासेयो स्वयंसेवकों को वितरित किए गए प्रमाण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना के ग्राम खैरी में आयोजित सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर के छठवें दिन में स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए. शिविर के छठवें दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह , डॉ. भरत कुमार ठाकुर, डॉ. सतीश दुबे, डॉ. मनीष अग्रवाल एवं ग्राम खैरी के सरपंच रिया जाट, डॉ. प्रदीप, प्रो. भारती उपस्थित रहीं साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रानी कुमारी, सह प्रभारी डॉ. प्रीति कौरव, डॉ. अमित ताम्रकार , श्रीमती कल्पना साहू उपस्थित रहीं। शिविर के छठवें दिवस में बौद्धिक सत्र का विषय महिला सशक्तिकरण रखा गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. भारती के द्वारा स्वयंसेवकों को महिला सशक्तिकरण के बारे में जानकारी दी गई एवं उन्हें ग्राम में जाकर लोगों को महिला सशक्तिकरण के लिए जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया जिसके अंतर्गत स्वयंसेवकों ने ग्राम में रैली निकालकर दीवारों पर नारे लेखन किया तत्पश्चात बौद्धिक सत्र में स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए जिसमें दलनायिका मनीषा राजपूत एवं सह दलनायिका गरिमा पाण्डेय को प्रमाण पत्र के साथ शील्ड प्रदान की गई साथ ही कोर कमेटी के सदस्यों को प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी वितरित की गई एवं वेस्ट वॉलिंटियर का मेडल शिखा साहू को प्रदान किया गया साथ ही अन्य स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

बोर्ड परीक्षा मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा 2026 हेतु मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। सर्वप्रथम संस्था प्राचार्य जी एस पटेल द्वारा 18 फरवरी 2026 तक आयोजित परीक्षा के समस्त विषयों के समस्त मूल्यांकन कर्ताओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। तत्पश्चात जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा मण्डल के निर्देश के अनुसार व जिले की प्रतिष्ठा को ध्यान में रखते हुये मूल्यांकन समय सीमा में संपन्न करने के निर्देश प्रदाय किये। मंडल परीक्षा प्रभारी डॉ अशोक उदेनिया द्वारा मूल्यांकर्ताओं को मूल्यांकन सम्बन्धी आवश्यक जानकारी प्रदान की। मूल्यांकन कर्ताओं के प्रशिक्षण हेतु मास्टर ट्रेनर प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान राजीव किशोर श्रीवास्तव व संजीव नाहर उच्च माध्यमिक शिक्षक शासकीय सांदीपनी विद्यालय गोटेगांव ने पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण देते हुये अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति प्रदान की। प्रथम चरण में मूल्यांकन कर्ताओं को कक्षा 12 के भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, एनिमल हसबेंडरी विषयों का मूल्यांकन कर्ताओं को आवश्यक जानकारी व मंडल के निर्देशों से अवगत कराया।

मकान सूचीकरण हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण आज से

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जनगणना 2027 का कार्य प्रारंभ हो चुका है, जो दो चरणों में सम्पादित किया जाएगा। जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना के कार्य के लिए दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन 23 एवं 24 फरवरी को प्रातः 10.30 बजे से सायं 5 बजे तक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया जाएगा। अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नरसिंहपुर श्रीमती लता बान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में जिला जनगणना अधिकारी, अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, समस्त अनुविभागीय जनगणना अधिकारी- एसडीएम, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी- एनआईसी, समस्त नगरीय चार्ज अधिकारी- सीएमओ, समस्त ग्रामीण चार्ज अधिकारी- तहसीलदार, समस्त ग्रामीण अतिरिक्त चार्ज अधिकारी- प्रत्येक तहसील से एक नायब तहसीलदार एवं प्रत्येक चार्ज स्तर से एक जनगणना लिपिक प्रशिक्षण में सम्मिलित होंगे।

गोटेगांव-नरसिंहपुर मार्ग पर साइड शोल्डर नहीं, बढ़ी दुर्घटनाओं की आशंका

गोटेगांव। गोटेगांव से नरसिंहपुर को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग—कमती, मानेगांव और बेलखेड़ी होते हुए गुजरने वाला—इन दिनों बदहाल स्थिति में है। सड़क के दोनों ओर साइड शोल्डर नहीं भरे जाने से किनारों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मार्ग पर स्थित टोल प्लाजा पर नियमित रूप से वसूली की जा रही है, लेकिन सड़क के रखरखाव और मरम्मत की ओर कोई ठोस ध्यान नहीं दिया जा रहा। साइड शोल्डर खाली होने से सड़क की मिट्टी धंस रही है और कई स्थानों पर डामर भी उखड़ने लगा है।विशेष रूप से भारी वाहनों को साइड देते समय दोपहिया और छोटे वाहन चालकों को असंतुलन का सामना करना पड़ता है, जिससे गिरकर घायल होने की घटनाएं सामने आ रही हैं। रात के समय और बारिश के दौरान स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है।ग्रामीणों एवं राहगीरों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से शीघ्र निरीक्षण कर साइड शोल्डर की मरम्मत एवं सड़क सुधार कार्य कराने की मांग की है, ताकि इस व्यस्त मार्ग पर आवागमन सुरक्षित हो सके।

रेलवे लाइन स्थित मां सिंहवाहिनी मंदिर मार्ग पर शराबियों का जमावड़ा

गोटेगांव। रेलवे स्टेशन के समीप स्थित मां सिंहवाहिनी मंदिर मार्ग पर खुलेआम शराबखोरी से श्रद्धालु परेशान हैं। रेलवे लाइन किनारे स्थित इस मार्ग पर असामाजिक तत्वों द्वारा शराब सेवन किए जाने से महिलाओं और बुजुर्गों को असुविधा हो रही है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पूर्व में शिकायत के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हुई। श्रद्धालुओं ने मंदिर मार्ग की पवित्रता बनाए रखने हेतु पुलिस प्रशासन से नियमित पेट्रोलिंग एवं सख्त कार्रवाई की मांग की है।

करकबेल में बह रही धर्म की गंगा, मुनिश्री सागर महाराज के सानिध्य में प्रवचन

गोटेगांव। समीपवर्ती करकबेल स्थित जैन मंदिर धर्मशाला में मुनिश्री सागर महाराज विराजमान हैं। परोपकार धाम तीर्थ, धनोरा में 37वां चातुर्मास पूर्ण कर विहार करते हुए, उनका आगमन करकबेल में हुआ है।महाराजश्री प्रतिदिन दो सत्रों में मंगल प्रवचन दे रहे हैं—प्रातः 8:30 से 9:30 बजेदोपहर 3:00 से 4:00 बजेइसके अतिरिक्त शाम 6:30 बजे गुरु भक्ति एवं बाल संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ आसपास क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबी पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

शपथ-पत्र

मै श्रीमती छोटी पटेल पति स्व. श्री राजेश पटेल निवासी ग्राम लोलरी पोस्ट देवरी तहसील तेंदूखेडा जि. नरसिंहपुर म.प्र. निम्नानुसार शपथपूर्वक कथन प्रस्तुत करती है कि मेरे पति स्व. राजेश पटेल के नाम से आरटीओ नरसिंहपुर में ट्रेक्टर वाहन क्रमांक MP49ZD5730 पंजीकृत हैं। मेरे पति का स्वर्गवास दिनांक 17.07.2024 को हो गया है जिसके प्रमाण में मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न किया जा रहा है। मैं स्व. श्री राजेश पटेल की एकमात्र विवाहिता पत्नि हूॅ व उनकी वैध उत्तराधिकारी हूॅ इस कारण उक्त वाहन को अपने नाम पर स्थानांतरित / नामांतरित कराना चाहती हूँ जिस हेतु यह शपथपत्र प्रस्तुत कर रही हूँ।

शपथकर्ता